गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर छ.ग.

हिन्दी विभाग
कला संकाय

सत्र-2015-16 (एवं क्रमशः)
हेतु
संचालित पाठ्यक्रम

स्नातक 'प्रतिष्ठा' पाठ्यक्रम के
चयन आधारित स्तरीय प्रणाली
(Choice Based Credit System)
की सत्रीय व्यवस्था युक्त

अनुक्रमणिका

पाठ्यक्रम	पृष्ठ संख्या
1- पाठ्यक्रम परिचय	01-05
2- स्नातक पाठ्यक्रम	06-27
3- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	28-53
4- प्री॰ पीएच॰डी॰	54-62

स्नातक पाठ्यक्रम (बी.ए.) छः सत्रों में विभक्त है | प्रथम से चतुर्थ सत्र तक प्रत्येक सत्र में दो प्रश्न-पत्र निर्धारित हैं| पांचवें एवं छठें सत्र में पांच-पांच प्रश्न-पत्र हैं| प्रत्येक प्रश्न-पत्र **100** अंकों के हैं | **60** अंक सत्रांत परीक्षा के लिए निर्धारित है और **40** अंक आंतरिक मूल्यांकन (वर्गीय मूल्यांकन एवं अधिन्यास/पत्र-प्रस्तुति)के लिए निर्धारित है | सत्रांत परीक्षा के लिए 3.00 घंटे का समय निर्धारित है|स्नातक तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए **126** क्रेडिट निर्धारित हैं |

[पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित अध्ययन सामग्री/पाठ निम्नानुसार है]

अंक आबंटन:

Semester	Paper	Theory	Sessional
I	2	60x2=120	40x2=80
II	2	60x2=120	40x2=80
III	2	60x2=120	40x2=80
IV	2	60x2=120	40x2=80
V	~~4~~ 5	60X4=240	40X4=160
VI	~~4~~ 5	60X4=240	40X4=160

अध्ययन पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	हिन्दी भाषा का इतिहास	100/40 (Grade: O/P)	03
2		हिन्दी साहित्य का इतिहास	100/40 (Grade: O/P)	03
	वैकल्पिक	प्रदत्त विषयों की सूची में से किन्हीं चार प्रश्न पत्रों का चयन किया जा सकेगा(प्रत्येक विषय में दो प्रश्न-पत्र होंगे)	100/40 (Grade: O/P)	3+3
			100/40 (Grade: O/P)	3+3
	अनिवार्य (आधार पाठ्यक्रम)	हिन्दी-भाषा	100/40 (Grade: O/P)	02
		English Language	100/40 (Grade: O/P)	02
Total Credit				22

द्वितीय सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	आदिकालीन हिन्दी साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	03
2		छायावादी काव्य भक्तिकाव्य	100/40 (Grade: O/P)	03
	वैकल्पिक	प्रदत्त विषयों की सूची में से किन्हीं चार प्रश्न पत्रों का चयन किया जा सकेगा(प्रत्येक विषय में दो प्रश्न-पत्र होंगे)	100/40 (Grade: O/P)	3+3
			100/40 (Grade: O/P)	3+3
	अनिवार्य (आधार पाठ्यक्रम)	हिन्दी-भाषा	100/40 (Grade: O/P)	02
		English Language	100/40 (Grade: O/P)	02
Total Credit				22

तृतीय सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	भारतीय समीक्षा सिद्धांत	100/40 (Grade: O/P)	03
2		भक्तिकाव्य रीतिकाल	100/40 (Grade: O/P)	03
	वैकल्पिक	प्रदत्त विषयों की सूची में से किन्हीं चार प्रश्न पत्रों का चयन किया जा सकेगा(प्रत्येक विषय में दो प्रश्न-पत्र होंगे)	100/40 (Grade: O/P)	3+3
			100/40 (Grade: O/P)	3+3
	अनिवार्य	पर्यावरण अध्ययन	100/40 (Grade: O/P)	03
Total Credit				21

चतुर्थ सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	100/40 (Grade: O/P)	03
2		रीतिकाव्य छायावादीकाल	100/40 (Grade: O/P)	03
	वैकल्पिक	प्रदत्त विषयों की सूची में से किन्हीं चार प्रश्न पत्रों का चयन किया जा सकेगा(प्रत्येक विषय में दो प्रश्न-पत्र होंगे)	100/40 (Grade: O/P)	3+3
			100/40 (Grade: O/P)	3+3
	अनिवार्य	पर्यावरण अध्ययन	100/40 (Grade: O/P)	03
Total Credit				21

पंचम सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	कथा साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	4
2	मुख्य	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	100/40 (Grade: O/P)	4
3	मुख्य	छायावादोत्तर काव्य	100/40 (Grade: O/P)	4
4	मुख्य	हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं	100/40 (Grade: O/P)	4
5	मुख्य	उर्दू साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	4
Total Credit				20

षष्ठ सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता	100/40 (Grade: O/P)	4
2	मुख्य	स्वातंत्र्योत्तर कथा साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	4
3	मुख्य	हिन्दी नाटक एवं रंग मंच	100/40 (Grade: O/P)	4
4	मुख्य	भाषा विज्ञान	100/40 (Grade: O/P)	4
5	वैकल्पिक	(i) समकालीन विमर्श (ii) हिन्दी पत्रकारिता (विभागाध्यक्ष की संस्तुति के अनुसार)	100/40 (Grade: O/P)	4
Total Credit				20

प्रथम सत्र
पाठ्यक्रम संख्या : 101
हिन्दी भाषा का इतिहास

प्रथम इकाई

हिन्दी भाषा का इतिहास, अपभ्रंश,अवहट्ट और पुरानी हिन्दी का संबंध
काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास

द्वितीय इकाई

काव्यभाषा के रूप में ब्रज का उदय और विकास
साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास
हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका क्षेत्र

तृतीय इकाई

भाषा और बोली में अन्तर
हिन्दी भाषा के विविध **रूप** : सम्पर्क भाषा एवं राष्ट्रभाषा

चतुर्थ इकाई

राजभाषा का संवैधानिक स्वरूप और त्रिभाषा सूत्र.

- सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. धीरेंद्र वर्मा
2. **समसामयिक हिन्दी में रूप स्वनिमिकी** : **डॉ.सुधाकर सिंह**
3. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
4. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप : हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप : राजमणि शर्मा
6. सामान्य भाषा विज्ञान : बाबूराम सक्सेना
7. हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरू

पाठ्यक्रम संख्या : 102

हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रथम इकाई

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
काल–विभाजन एवं नामकरण
आदिकाल : नामकरण की समस्या,प्रवृत्तियाँ
अमीर खुसरो एवं विद्यापति का सामान्य परिचय।

द्वितीय इकाई

भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ,निर्गुण काव्यधारा,सूफी काव्यधारा,सगुण काव्यधारा,प्रमुख कवि.

तृतीय इकाई

रीतिकाव्य की प्रवृत्तियां,काव्यधाराएँ
प्रतिनिधि धारा : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

चतुर्थ इकाई

हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव,
भारतेन्दु युग एवं भारतेन्दु मण्डल, द्विवेदी युग प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ :
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद,नई कविता

- **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी।
3. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादन : डॉ. नगेंद्र।
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
7. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा।
8. गद्य साहित्य का इतिहास : डॉ.रामचंद्र तिवारी।

द्वितीय सत्र

आदिकालीन हिन्दी साहित्य

प्रथम इकाई

हिन्दी काव्य का आरम्भिक स्वरूप
सिद्ध, जैन एवं नाथ पंथ काव्य–परम्परा एवं विशेषताएँ
आरंभिक गद्य तथा लोक साहित्य

द्वितीय **इकाई**

रासो काव्य परम्परा : वीर काव्य एवं श्रृंगारिक काव्य, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता एवं महत्व।

तृतीय इकाई

हेमचन्द्र के दोहे : हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग (सं : नामवर सिंह)
दोहा संख्या : 73,74,75,76,77,78,82,84,85,88,
चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो : कयमास वध प्रारंभिक 10 छंद

चतुर्थ इकाई

अमीर खुसरो : (खुसरो की हिन्दी कविता -सं-ब्रजरत्नदास):मुकरी-156,162,175,185,दोहा-291,292,295

विद्यापति : (संपादक–शिवप्रसाद सिंह)
पद संख्या : (2, 8, 10, 12, 15, 26)
कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी)पद सं. 2,3,8,11,12,36,41

- सहायक ग्रन्थ :

1. अमीर खुसरो : परमानंद पांचाल
2. विद्यापति : शिवप्रसाद सिंह
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग : डा. नामवर सिंह
8. आदिकालीन साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी

पाठ्यक्रम संख्या : 202

~~छायावादी~~ काव्य

भक्ति

प्रथम इकाई

स्वच्छंदतावाद और छायावाद, स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी कविता
राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रचनाकार।

द्वितीय इकाई

छायावाद : विशेषताएँ, काव्य–भाषा संबंधी विवाद,
छायावाद की मुख्य प्रवृत्तियाँ,
मुक्त छंद की अवधारणा एवं प्रयोग।

तृतीय इकाई

जयशंकर प्रसाद: **कामायनी (चिंता एवं श्रद्धा सर्ग)**

चतुर्थ इकाई

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : सरोज–स्मृति
सुमित्रानंदन पंत : **प्रथम रश्मि** ,मौन निमंत्रण
महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दु:ख की बदली,यह मंदिर का दीप

- **सहायक ग्रंथ :**

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. निराला की साहित्य–साधना : रामविलास शर्मा
3. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
4. महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह
5. कविर्मनीषी : निराला : प्रो.सुधाकर सिंह
6. छायावादी कविता में बिम्ब–विधान : केदारनाथ सिंह
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
8. आधुनिक साहित्य : नंददुलारे वाजपेयी
9. कामायनी : जयशंकर प्रसाद
10. राग विराग : निराला
11. पल्लव : सुमित्रानंदन पंत
12. प्रतिनिधि कवितायें : महादेवी वर्मा

तृतीय सत्र

पाठ्यक्रम संख्या : 301

भारतीय समीक्षा सिद्धांत

प्रथम इकाई

काव्य–लक्षण: भामह,मम्मट,विश्वनाथ, पंडित जगन्नाथ, काव्य हेतु : प्रतिभा,व्युत्पत्ति, अभ्यास काव्य–प्रयोजन। काव्यगुण, काव्यदोष, शब्दशक्ति।

द्वितीय इकाई

रस, ध्वनि, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धान्त का सामान्य परिचय।

तृतीय इकाई

छंद : प्रमुख छंद – चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, सवैया, हरिगीतिका, काव्य रूपप्रबंध काव्य, महाकाव्य, खण्डकाव्य, चरितकाव्य, मुक्तक, गीतिकाव्य एवं प्रगीत।

चतुर्थ इकाई

हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास :
प्रमुख आलोचक : रामचन्द्र शुक्ल,हजारी प्रसाद द्विवेदी,रामविलास शर्मा , नगेन्द्र और नामवर सिंह

सहायक ग्रंथ :

- साहित्य सिद्धांत : राम अवध द्विवेदी
- भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. नगेंद्र
- काव्य दर्पण : रामदहिन मिश्र
- संस्कृतकाव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
- भारतीय काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
- रस–मीमांसा : रामचंद्र शुक्ल
- हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
- कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
- इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
- हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी
- रामचंद्र शुक्ल : मलयज

पाठ्यक्रम संख्या : 302

~~भक्तिकाव्य~~ रीतिकाल

प्रथम इकाई

भक्ति आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि, भक्तियुगीन काव्यधाराएँ : निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय,आलवार संत,हिन्दी संत काव्य,हिन्दी सूफी काव्य,रामकाव्य एवं कृष्णकाव्य

कबीर :साखी- (कबीर ग्रंथावली : श्यामसुन्दरदास)

पद :मन रे जागत रहिये भाई,अकथ कहानी प्रेम की,संतो भाई आई ज्ञान की आंधी रे, हम न मरै, काहें रे नलिनी, मोको कहाँ ढूढे रे बन्दे,ना जाने तेरा साहब कैसा है, रहना नहिं देस बिराना है,माया महा ठगिनी हम जानी,मेरा तेरा मनुआ कैसे इक होई, दुलहिनी गावहुँ मंगलचार,तोहि मोरी लगन लगाये रे फकीरवा,हंसा करो पुरातन बात.

द्वितीय **इकाई**

सूरदास : **भ्रमरगीतसार** – सं.– आचार्य रामचंद्र शुक्ल **(15 पद)**

अविगत गति कुछ कहत न आवै,जा पर दीनानाथ ढरै,अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल, मेरो मन अनत कहाँ सुख पावे,किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत,जसोदा हरि पालने झुलावैं, मैया हौं न चरैहौं गाई,मुरली तऊ गुपालहिं भावति,बूझत श्याम कौन तू गोरी,जसुमति राधा कुवंरि सँवारति, तबही तैं हरि हाथ बिकानी,झूलत स्याम स्यामा संग,अद्भुत एक अनुपम बाग़, ऊधौ मन न भये दस बीस,ऊधौ जोग जोग हम नाहीं |

तृतीय **इकाई:**

मलिक मुहम्मद जायसी : **नागमती वियोग खंड** (पद्मावत : संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

चतुर्थ **इकाई**

तुलसीदास : **(गीता प्रेस गोरखपुर)**

रामचरितमानस : (अयोध्या काण्ड 163-169)

विनय पत्रिका : (146,155,162172,174,198,230)

सहायक ग्रन्थ :

1. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
4. जायसी : विजयदेव नारायण साही
5. महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी
6. भक्तिकाव्य और भक्ति आन्दोलन : शिवकुमार मिश्र
7. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : डॉ.रामविलास शर्मा
9. संत काव्य परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी

चतुर्थ सत्र
पाठ्यक्रम संख्या : 401
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रथम इकाई

पाश्चात्य साहित्य चिंतन का इतिहास
प्लेटो : अनुकरण सिद्धांत।
अरस्तू : अनुकरण, विरेचन सिद्धांत

द्वितीय इकाई

वर्ड्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत।
लौंजाइनस ' काव्य में उदात्त की अवधारणा।

तृतीय इकाई

आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत।
बेनोदितो क्रोंचे : अभिव्यंजनावाद।

चतुर्थ इकाई

टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता।

सहायक ग्रंथः

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
4. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
5. पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद : सूर्य प्रसाद दीक्षित
6. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन : जगदीश चन्द्र जैन
7. नई समीक्षा : सं. महेंद्र चतुर्वेदी, राजकुमार कोहली

पाठ्यक्रम संख्या : 402

~~रीतिकाव्य~~ रीतिकाव्य

प्रथम इकाई

रीतिकाव्य के मूल स्रोत,नामकरण की समस्या, राजनीतिक–सामाजिक परिवेश।

रीतिकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ,रीतिकाव्य में लोक जीवन

द्वितीय इकाई

केशवदास : रामचंद्रिका : वन मार्ग में राम प्रसंग (38 से 47)
(रीति काव्यधारा :सं.रामचंद्र तिवारी)

बिहारी – (बिहारी– सं–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

दोहा सं.-4.8.13.19.30.32.50.52.54.64.67.71.77.116.146.163.214.367.369.394.(20-पद)

तृतीय इकाई

घनानंद : (घनानंद कवित्त–सं.–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

पद :पद सं.7,24,27,29,41,42,58,63,83,88 (10 पद)

भूषण : भूषण ग्रन्थावली (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

चतुर्थ इकाई

शिवराज भूषण : आरंभिक 15 पद

शिवा बावनी : आरंभिक 15 पद

पद्माकर, मतिराम का सामान्य परिचय.

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. रीतिकाव्य की भूमिका : डा. नगेंद्र
2. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. घनानंद ग्रन्थावली : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. भूषण और उनका साहित्य : राजमल बोरा
6. घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा : मनोहर लाल गौड़
7. भूषण : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. बिहारी सतसई : जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

पंचम सत्र

पाठ्यक्रम संख्या : 501
कथा – साहित्य

प्रथम इकाई

हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्‌भव एवं विकास। प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचंद, जैनेन्द्र, यशपाल,फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी

द्वितीय इकाई

हिन्दी कहानी के विविध आन्दोलन। प्रमुख कहानीकार : प्रेमचंद, प्रसाद,अज्ञेय,मोहन राकेश, कृष्णा सोबती

तृतीय इकाई

उपन्यास-

गबन : प्रेमचंद , दिव्या: यशपाल

कहानियाँ : (09) पूस की रात:प्रेमचंद, हार की जीत: सुदर्शन,गदल:रांगेय राघव,जिन्दगी और जोंक:अमरकांत,वापसी:उषा प्रियंवदा,टूटना :राजेन्द्र यादव, बदबू :शेखर जोशी,लालपान की बेगम : फणीश्वर नाथ रेणु,चीफ की दावत:भीष्म साहनी,कविता की नयी तारीख:काशीनाथ सिंह,पिता :ज्ञानरंजन |

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी कहानी का इतिहास भाग 1,2,3 : गोपाल राय
2. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह
3. हिन्दी कहानी की रचना–प्रक्रिया : परमानंद श्रीवास्तव
4. उपन्यास का उदय : अयान वॉट
5. उपन्यास और लोक–जीवन : राल्फ फॉक्स
6. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा : रामदरश मिश्र
7. कथा विवेचना और गद्य शिल्प : रामविलास शर्मा
8. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
9. कहानी का रचना विधान : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
10. प्रेमचंद की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ :सं- अमृत राय
11. एक दुनिया समानान्तर - सं- राजेन्द्र यादव

पाठ्यक्रम संख्या : 502

हिन्दी नाटक एवं एकांकी

प्रथम इकाई

हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास : भारतेंदु युग, प्रसाद युग और स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक

द्वितीय **इकाई**

प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, प्रसाद,जगदीशचन्द्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश
हिन्दी एकांकी की विकास–यात्रा

तृतीय इकाई

नाटक :

भारतेंदु हरिश्चंद्र : भारत दुर्दशा
स्वदेश दीपक : कोर्ट मार्शल
मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन

चतुर्थ इकाई

एकांकी :

कोणार्क : जगदीशचंद्र माथुर
नीली झील : धर्मवीर भारती

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : (सं.) नेमिचंद्र जैन
2. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येन्द्र तनेजा
3. हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष : गिरीश रस्तोगी
4. हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास : सिद्धनाथ कुमार
5. एकांकी एवं एकांकीकार : रामचरण महेंद्र
6. हिन्दी नाटक के सौ बरस : प्रतिभा अग्रवाल
7. प्रसाद के नाटक : स्वरूप एवं संरचना : गोविंद चातक

पाठ्यक्रम संख्या : 503
छायावादोत्तर काव्य

प्रथम इकाई

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता,साठोत्तरी कविता,नवगीत और हिन्दी ग़ज़ल

द्वितीय इकाई

कुरुक्षेत्र(पहला सर्ग) : दिनकर
बादल को घिरते देखा है, हरिजन गाथा, अकाल और उसके बाद : नागार्जुन

चन्द्रगहना से लौटती बेर, मांझी न बजाओ बंशी : केदारनाथ अग्रवाल
गीत फरोश : भवानीप्रसाद

तृतीय इकाई

हरीघास पर क्षणभर, नाच, नदी के द्वीप : अज्ञेय
विचार आते हैं, पूंजीवादी समाज के प्रति, मैं उनका ही होता : मुक्तिबोध

चतुर्थ इकाई

ये सारा जिस्म, कहाँ तो तय था : दुष्यंत कुमार
रोटी और संसद, किस्सा जनतंत्र : धूमिल

सहायक ग्रन्थ :

1. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
2. प्रगतिशील हिंदी कविता और रूपतरंग की भूमिका : रामविलास शर्मा
3. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
4. आज की कविता : विनय विश्वास
5. आधुनिक कविता यात्रा : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. जनवादी साहित्य और समझ : रामनारायण शुक्ल
7. हिन्दी नवगीत की विकास यात्रा : माधव कौशिक

पाठ्यक्रम संख्या : 504
हिन्दी निंबध एवं अन्य गद्य विधाएँ

प्रथम इकाई

निबंध का उद्भव,विकास एवं उसके विविध प्रकार

बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।

बालमुकुन्द गुप्त – शिवशम्भू के चिट्ठे बनाम लार्ड कर्जन।

द्वितीय इकाई

निबंध :

महावीर प्रसाद द्विवेदी : कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता

रामचंद्र शुक्ल : भाव या मनोविकार

हजारी प्रसाद द्विवेदी : भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

तृतीय इकाई

संस्मरण एवं यात्रा–वृत्तांत:

महादेवी वर्मा : भक्तिन

काशीनाथ सिंह : दंत-कथाओं में त्रिलोचन

अरे यायावर रहेगा याद : अज्ञेय

चतुर्थ इकाई

व्यंग्य :

हरिशंकर परसाई :विकलांग श्रद्धा का दौर

सहायक ग्रन्थ :

1. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य : माखनलाल शर्मा
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
3. निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं : डॉ.सुधाकर सिंह
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास–परम्परा : रामविलास शर्मा
6. हिन्दी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप का विश्लेषण : विनीता अग्रवाल

पाठ्यक्रम संख्या : 505

उर्दू साहित्य

प्रथम इकाई:

उर्दू साहित्य का इतिहास :एक परिचय

मीर : उल्टी हो गहीं सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया,देख तो,दिल कि जां से उठता है,फकीराना आये,सदा कर चले, पत्ता-पत्ता बूटा-बूटा हाल हमारा जाने है,मैं कौन हूँ,अय हम नफसाँ,सोख्त जाँ हूँ.

नज़ीर अकबराबादी: आदमीं नामा,बंजारा नामा,देख बहारें होली की,मुफ़्लिसी,कन्हैया का बाल पन.

द्वितीय **इकाई**

ग़ालिब: बस कि दुश्वार है,हर काम का आसाँ होना,इशरत-ए-कतरा है दरिया में फ़ना हो जाना,कोई उम्मीद बर नहीं आती,दर्द मिन्नत कश-ए-दवा न हुआ,फिर मुझे दीद-ए-तर याद आया.

तृतीय **इकाई**

इकबाल: नया शिवालय,चाँद मेरे वीराने से,सरमाया व मेहनत-बंदा-ए-मजबूर,फरमाने खुदा उठो मेरी दुनिया,मुल्ला और बहिश्त-मैं भी हाज़िर था.

चतुर्थ **इकाई**

फैज़ अहमद फैज़: रकीब से,ज़िंदा कि एक सुबह,पास रहूँ,दरबार-ए-वतन में,निसार मैं तेरी गलियों के.

फ़िराक गोरखपुरी: थरथरी सी है आसमानों में, गैर क्या जानिए, क्यों मुझको बुरा कहतें हैं, सुकूते शाम मिटाओ बहुत अन्धेरा है,आधी रात को.

सन्दर्भ ग्रन्थ

1- दीवान-ए-ग़ालिब : सं. अली सरदार जाफ़री
2- उर्दू ग़ज़ल गोई : फ़िराक गोरखपुरी
3- स्वदेश के फ़िराक : डॉ. भवदेव पाण्डेय
4- फैज़ अहमद फैज़ : सं.शमीम हनफ़ी
5- इकबाल की ज़िंदगी और शायरी : सं.सुरेश सलिल
6- दीवान-ए-मीर : सं. अली सरदार जाफ़री
7- सारे सुखन हमारे : फैज़ अहमद फैज़

षष्ठ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 601
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

प्रथम इकाई

स्वातंत्र्योत्तर काव्य–आन्दोलन : **परिचय**,
कुंवर नारायण : **कविता की जरुरत**,अयोध्या–1992
केदारनाथ सिंह : **टूटा हुआ ट्रक**,**बनारस**
रघुवीर सहाय : हँसो–हँसो जल्दी हँसो.

द्वितीय इकाई

श्रीकान्त वर्मा : हस्तिनापुर का रिवाज,**मगध**
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : **कुआनो नदी**,भेड़िया–1, 2, 3

तृतीय इकाई

आलोकधन्वा:जिलाधीश,युवा भारत का स्वागत,जंक्शन
राजेश जोशी : मुलाक़ात,इत्यादि
अरुणकमल : धार,सखियाँ

चतुर्थ इकाई

विरेन डंगवाल : हमारा समाज,पी.टी.उषा
कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा,**हॉकी खेलती लड़कियां**
विनोद कुमार शुक्ल :हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था,यह जो छत्तीसगढ़ है

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी की **प्रगतिशील** कविता : लल्लन राय
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
3. जनवादी साहित्य और समझ : रामनारायण शुक्ल
4. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
5. समकालीन कविता का व्याकरण : परमानंद श्रीवास्तव
6. समकालीन साहित्य की भूमिका : **विश्वंभर** नाथ उपाध्याय
7. कविता की संगत : विजय कुमार
8. कवि का अकेलापन : **मंगलेश** डबराल

पाठ्यक्रम संख्या : 602

स्वातंत्र्योत्तर कथा–साहित्य

प्रथम इकाई

स्वातंत्र्योत्तर कथा लेखन : वैचारिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
कहानी आंदोलन : परिचय, नई कहानी :स्वरूप और संरचना
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास : परिचय एवं विशेषताएं.

द्वितीय इकाई

उपन्यास :

राग–दरबारी : श्रीलाल शुक्ल
मित्रो मरजानी : कृष्णा सोबती

तृतीय इकाई

कहानियाँ :

यही सच है : मन्नू भंडारी
नन्हों : शिवप्रसाद सिंह

चतुर्थ इकाई

राजा निरबंसिया : कमलेश्वर
ट-टा प्रोफेसर: मनोहर श्याम जोशी
पाल गोमरा का स्कूटर : उदय प्रकाश

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपाल राय
2. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह
3. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
4. बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध : हिन्दी कहानी – नरेंद्र मोहन
5. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
6. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
7. उपन्यास की समकालीनता : ज्योतिष जोशी
8. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
9. उपन्यास : स्वरूप एवं संवेदना : राजेंद्र यादव

पाठ्यक्रम संख्या : 603

हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

प्रथम इकाई

हिन्दी नाटक का विकास, नाटक के मूलभूत-तत्व,संस्कृत एवं पारंपरिक नाटकों का स्वरूप,रंग-मंच :परिचय, विशेषता एवं महत्त्व .

द्वितीय इकाई

हिन्दी रंगमंच का इतिहास,भारतेंदु युगीन रंगमंच,
भारतीय रंगमंच शैली और विभिन्न थियेटर, पारसी थियेटर,
पृथ्वी थियेटर, लोकनाट्य शैलियाँ : इप्टा,बिदेसिया,जात्रा.

तृतीय इकाई

अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद
ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

चतुर्थ इकाई

आधे-अधूरे : मोहन राकेश
माधवी : भीष्म साहनी

सहायक ग्रन्थ :

1. पारंपरिक भारतीय रंग-मंच : कपिला वात्स्यायन
2. भारतीय एवं पाश्चात्य रंग-मंच : सीताराम चतुर्वेदी
3. रंग-मंच दर्शन : नेमीचंद जैन
4. पारसी हिन्दी रंग-मंच : लक्ष्मी नारायण लाल
5. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंग-मंच : नेमीचंद जैन
6. समकालीन नाटक एवं रंग-मंच : नरेंद्र मोहन

पाठ्यक्रम संख्या 604

हिन्दी भाषा : इतिहास और भाषा विज्ञान

प्रथम इकाई : भाषा : परिभाषा,प्रकृतिगत विशेषताएं, भाषा परिवार , प्राचीन एवं आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय,भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ.

द्वितीय इकाई : भाषा और बोली, भाषा और बोली में अंतर , हिन्दी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय,राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा, राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति.

तृतीय इकाई: हिन्दी शब्द सम्पदा,हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ: सामान्य परिचय,हिन्दी की कारकीय व्यवस्था,हिन्दी क्रिया-रूपों का सामान्य परिचय.

चतुर्थ इकाई: हिन्दी की ध्वनियाँ-स्वर और व्यंजन, हिन्दी में आगत विदेशी ध्वनियाँ,भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं , साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज, अवधी और खडी बोली का विकास .

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1- हिन्दी भाषा का इतिहास :डॉ.धीरेन्द्र वर्मा
2- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास :उदय नारायण तिवारी
3- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
4- हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
5- हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप
6- हिन्दी भाषा विज्ञान : द्वारिका प्रसाद सक्सेना

पाठ्यक्रम संख्या : 605
समकालीन विमर्श

प्रथम इकाई:

दलित विमर्श : पृष्ठभूमि,वैचारिकी के प्रश्न,दलित अस्मिता

स्त्री विमर्श : पृष्ठभूमि,अवधारणा एवं स्त्री मुक्ति संबंधी चिंतन जॉन स्टुअर्ट मिल, लेनिन, सीमोन द बोउवा, महादेवी वर्मा

द्वितीय इकाई :

आदिवासी विमर्श : पृष्ठभूमि,अवधारणा,आदिवासी लेखन एवं वैचारिकी के आयाम,प्रमुख आदिवासी विमर्शकार.

तृतीय इकाई:

कहानी- सद्गति: प्रेमचंद, बदबू : सूरजपाल चौहान

उपन्यास : कठगुलाब - मृदुला गर्ग

चतुर्थ इकाई:

आत्मकथा : अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान, जूठन : ओमप्रकाश बाल्मीकि

निबंध : श्रृंखला की कड़ियाँ – महादेवी वर्मा

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र :ओमप्रकाश वाल्मीकि
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका :मैनेजर पाण्डेय
3. जाति व्यवस्था : मिथक,वास्तविकता और चुनौतियाँ: सच्चिदानंद सिन्हा
4. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी
5. स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ के.एम. मालती
6. बाज़ार के बीच : बाज़ार के खिलाफ : प्रभा खेतान
7. आधुनिकता के आईने में दलित :सं. अभय कुमार दुबे
8. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य :सं.श्योराज सिंह बेचैन
9. धर्म :प्रासंगिकता के सवाल : सं.पंकज विष्ट
10. चूड़ी बाज़ार में औरतें : कृष्ण कुमार

पाठ्यक्रम संख्या – 6 : 606

(वैकल्पिक)

(11) हिन्दी पत्रकारिता

प्रथम इकाई :

हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास : पत्रकारिता- आशय एवं आवश्यकता, भारतेंदु युगीन हिन्दी पत्रकारिता, हिन्दी पत्रकारिता के विकास में भारतेंदु हरिश्चंद्र का अवदान, स्वतंत्रता संघर्ष एवं हिन्दी पत्रकारिता, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता.

द्वितीय इकाई

समाचार : परिभाषा,समाचार संकलन,विभिन्न स्रोत,समाचार संपादन, हिन्दी पत्रकारिता और महावीर प्रसाद द्विवेदी,बालमुकुंद गुप्त और हिन्दी पत्रकारिता, द्विवेदी युगीन हिन्दी पत्रकारिता के विविध विवाद.

तृतीय इकाई

भेटवार्ता के प्रकार और प्रविधि,शीर्षक लेखन,फीचर लेखन:स्वरूप और उद्देश्य,साप्ताहिक पत्र .

चतुर्थ इकाई

समाचार पत्र में अग्रलेख,सम्पादकीय लेखन,मेकप,प्रूफ़ (टंकण) संशोधन,मुद्रण कला का सामान्य परिचय,पृष्ठ आकल्पना.

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र
2. समाचार पत्र और संपादन कला : अम्बिकादत्त वाजपेयी
3. रेडियो वार्ता शिल्प : सिद्धनाथ कुमार
4. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
5. दूरदर्शन की भूमिका : सुधीश पचौरी
6. टेलीविजन सिद्धांत और टेक्नीक : मथुरा दत्त शर्मा
7. हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास : रमेश कुमार जैन

आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा

प्रस्तावित पाठ्यक्रम का उद्देश्य स्नातक स्तर(प्रथम एवं द्वितीय सत्र) के विविध अनुशासनों के सभी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा का और साहित्य का आधारभूत ज्ञान प्रदान करना है,जिससे विद्यार्थियों का भाषा ज्ञान ,वर्तनी,लेखन-कौशल और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित हो सके |

अंक योजना -	
पूर्णांक-	**100**
मुख्य परीक्षा	**60**
आतंरिक मूल्यांकन **+** **अधिन्यास लेखन & पत्र-प्रस्तुति** **+** **उपस्थिति**	**30** **+** **5** **+** **5 =40**
(बी.ए.एल.एल.बी./बी.कॉम.एल.एल.बी.के लिए मुख्य परीक्षा-80 आतंरिक परीक्षा-20 निर्धारित हैं जिसमे पत्र-लेखन और प्रस्तुति भी शामिल है |)	

बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.ए.एल.एल.बी./बी.कॉम.एल.एल.बी./बी.एस.डब्लू.

प्रथम सेमेस्टर

आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा

प्रथम इकाई

भाषा एवं रचना -

हिन्दी ध्वनियों का सामान्य परिचय ,ध्वनि-परिवर्तन,ध्वनि परिवर्तन के कारण,हिन्दी में आगत विदेशी ध्वनियाँ,

द्वितीय इकाई

शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि, पर्यायवाची और विलोम शब्द.पल्लवन,संक्षेपण एवं पत्राचार. मुहावरे,लोकोक्तियाँ. अनेकार्थी शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द.

तृतीय इकाई

कहानी एवं व्यंग्य रचनाएँ -

पंच परमेश्वर : प्रेमचंद

पंचलाईट : फणीश्वरनाथ रेणु

भोलाराम का जीव : हरिशंकर परसाई

गिल्लू : महादेवी वर्मा

चतुर्थ इकाई

~~संस्मरण और रेखा-चित्र~~ - प्रमुख छत्तीसगढ़ी साहित्यकार

बस्तर में बाघ : गुलशेर खां 'शानी' (पाठ)

~~गिल्लू : महादेवी वर्मा~~

माधवराव सप्रे, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, मुकुटधर पाण्डेय, श्रीकांत वर्मा, (सामान्य परिचय)

सहायक ग्रन्थ :

- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : वासुदेव नंदन प्रसाद
- ~~नालंदा सामान्य हिन्दी : पृथ्वी नाथ पाण्डेय~~
- सामान्य हिन्दी एवं संक्षिप्त व्याकरण : ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह
- हिन्दी व्याकरण प्रवेशिका : बाबू राम सक्सेना
- मानक सामान्य हिन्दी (अरिहंत प्रकाशन):पृथ्वी नाथ पाण्डेय
- सामान्य हिन्दी : ओमकार नाथ वर्मा

बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम./बी.ए.एल.एल.बी./बी.कॉम.एल.एल.बी./बी.एस.डब्लू.

द्वितीय **सेमेस्टर**

आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा

प्रथम इकाई

भाषा-खंड

भाषा,भाषा की परिभाषा,भाषा और बोली, हिन्दी भाषा का विकास,
भाषा और लिपि,देवनागरी लिपि -परिचय,मानक स्वरूप एवं विशेषताएं.

द्वितीय इकाई

संधि परिचय-

- स्वर सन्धि
- व्यंजन सन्धि

समास परिचय-

- अव्ययीभाव, कर्मधारय, तत्पुरुष, द्वंद्व , द्विगु, बहुव्रीहि.

कारक, प्रत्यय एवं उपसर्गों का परिचय

तृतीय इकाई

साहित्य-खंड (गद्य)

फूलो का कुर्ता : यशपाल
और मुगलों ने सल्तनत बख्श दी : भगवतीचरण वर्मा
माई का शोक-गीत : दूधनाथ सिंह

चतुर्थ इकाई

साहित्य-खंड (काव्य)

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से..... : जयशंकर प्रसाद
आओ आओ जल्द जल्द पैर बढाओ : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
पढ़िए गीता : रघुवीर सहाय
~~समझदारों का गीत~~ : ~~मोरख पाण्डेय~~ धूमिल

सहायक ग्रन्थ :

- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : वासुदेव नंदन प्रसाद
- ~~नालंदा सामान्य हिन्दी~~ : ~~पृथ्वी नाथ पाण्डेय~~
- सामान्य हिन्दी एवं संक्षिप्त व्याकरण : ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह
- हिन्दी व्याकरण प्रवेशिका : बाबू राम सक्सेना
- प्रतिनिधि कवितायें : जयशंकर प्रसाद
- राग विराग : सं.राम विलास शर्मा